

3074

4

अथवा

Examine the tenets of the *Cārvāka* Philosophy.

4. Write an essay on *Syādvāda*.

स्यादवाद पर एक निबंध लिखिए।

OR

अथवा

Elucidate the notions of *pramā* and *pramāna* in the Nyāya Philosophy.

न्याय दर्शन के प्रमा और प्रमाण की अवधारनाओं पर प्रकाश डालिए।

(1000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3074 D

Unique Paper Code : 2102101103

Name of the Paper : DSC-3: Indian
Philosophy

Name of the Course : B.A (H) Philosophy (NEP-
UGCF Syllabus)

Semester/Annual : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt all the **FOUR** questions; each question comes with an internal choice.
3. **All questions** carry equal marks.
4. Answers may be written either in ENGLISH or HINDI; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। हर एक प्रश्न का एक विकल्प दिया गया है।
3. सभी प्रश्न समान अंकों के होते हैं।
4. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं; लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

1. Give a brief historical overview of the Indian Philosophical Systems.

भारतीय दार्शनिक प्रणालियों का एक संक्षिप्त ऐतिहासिक अवलोकन दीजिए।

OR

अथवा

Discuss critically the origins of Indian Philosophy.

भारतीय दर्शनशास्त्र की उत्पत्ति पर आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

2. Examine the distinction between the conceptions of *śruti* and *smṛti* in Indian Philosophy.

भारतीय दर्शन में श्रुति और स्मृति के अर्थ और अधिकार के बीच अंतर की परीक्षा कीजिए।

OR

अथवा

Explain the notions of *śreyas* and *preyas* with reference to *Kathā Upaniṣad*.

कठ उपनिषद के संदर्भ में श्रेयस और प्रेयस की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

3. Explain critically the 'Four Noble Truths' of Buddhism.

बौद्ध दर्शन के 'चार आर्य सत्य' की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए।

OR